इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
Good people to grow with

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19
(संक्षिप्त)
ANNUAL REPORT
2018-19
(Abridged)

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट - 2018-19 (संक्षिप्त)

निदेशक मंडल

श्री टी सी ए रंगनाथन
गैर-कार्यकारी अध्यक्ष

श्री आर. सुब्रमण्यकुमार
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

श्री कर्नम शेखर
विशेष कार्याधिकारी एवं पूर्णकालिक निर्देशक

श्री के स्वामिनाथन
कार्यपालक निदेशक

श्री अजय कुमार श्रीवास्तव
कार्यपालक निदेशक

सुश्री ऐनी जार्ज मैथ्यू
सरकारी नामिती निदेशक

श्री निर्मल चंद
भारतीय रिजर्व बैंक नामिती निदेशक

श्री के रघु
सनदी लेखाकार प्रवर्ग के तहत अंश कालिक गैर आधिकारी निदेशक

श्री संजय रुंगटा
शेयरधारक निदेशक

श्री नवीन प्रकाश सिन्हा
शेयरधारक निदेशक

सुश्री राधा वेंकटकृष्णन
महा प्रबंधक एवं सीएफओ

Indian Overseas Bank

Central Office, 763 Anna Salai, Chennai 600002

ANNUAL REPORT 2018-19 (ABRIDGED)

BOARD OF DIRECTORS

Shri T C A Ranganathan
Non-Executive Chairman

Shri R Subramaniakumar
Managing Director & CEO

Shri Karnam Sekar
Officer on Special Duty and Whole Time Director

Shri K Swaminathan
Executive Director

Shri Ajay Kumar Srivastava
Executive Director

Ms. Annie George Mathew
Government Nominee Director

Shri Nirmal Chand
RBI Nominee Director

Shri K Raghu
Part time Non Official Director under Chartered Accountant Category

Shri Sanjay Rungta
Shareholder Director

Shri Navin Prakash Sinha
Shareholder Director

Ms Radha Venkatakrishnan
General Manager & CFO

लेखाकार	AUDITORS	पंजीयक एवं शेयर अंतरण एजेंट	Registrar & Share Transfer Agent
1. मेसर्स आर सुब्रमनियन एंड कं. एलएलपी, चेन्नै	1. M/s. R Subramanian and Co. LLP, Chennai	मेसर्स केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज़ लि.	M/s Cameo Corporate Services Ltd
2. मेसर्स एस ए आर सी एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली	2. M/s. S A R C & Associates, New Delhi	(यूनिट - इण्डियन ओवरसीज़ बैंक) सुब्रमणियन बिल्डिंग	(Unit – IOB) Subramanian Building,
3. मेसर्स पात्रो एंड कंपनी भुवनेश्वर	3. M/s. Patro & Co. Bhubaneswar	पांचवां तल, नं.1 - क्लब हाउस, रोड चेन्नै - 600 002	V Floor, No.1 Club House Road, Chennai 600 002
4. मेसर्स एम श्रीनिवासन एंड एसोसिएट्स, चेन्नै	4. M/s. M. Srinivasan & Associates Chennai	टेलि.: 044 / 28460390 (Six Lines) 044 - 28460395	Tel: 044 / 28460390 (Six Lines) 044 – 28460395
		फैक्स.: 044 / 28460129	Fax : 044 / 28460129
		ई-मेलः cameo@cameoindia.com	e-mail: cameo@cameoindia.com

नोट : शेयरधारकों से अनुरोध है कि वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट के सम्पूर्ण वर्ज़न को प्राप्त करने के लिए बैंक की वेबसाइट www.iob.in का अवलोकन करें।

Note : Shareholders are requested to visit Bank's website www.iob.in to get the full version of Annual Report 2018-19

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट - 2018-19 (संक्षिप्त)

Indian Overseas Bank

Central Office, 763 Anna Salai, Chennai 600002

ANNUAL REPORT 2018-19 (ABRIDGED)

विषय वस्तू	पृष्ठ सं.	Contents	Page No.
एक झलक में	3	At a Glance	3
प्रबन्ध निदेशक एवं सीईओ की डेस्क से	4	From the Managing Director & CEO's Desk	5
शेयरधारकों को सूचना	16	Notice to the Shareholder	16
निदेशकों की रिपोर्ट	30	Directors' Report	31
प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण	32	Management Discussion and Analysis	33
वर्ष 2018-19 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	64	Report of the Board of Directors on Corporate Governance for the year 2018-19	65
कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	105	Auditors' Certificate on Corporate Governance	105
साचिविक लेखा परीक्षा रिपोर्ट	106	Secretarial Audit Report	106
वार्षिक लेखा	108	Annual Accounts	108
नकदी प्रवाह विवरण	162	Cash Flow Statement	162
स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	164	Independent Auditors' Report	165
व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 2018-19	172	Business Responsibility Report 2018-19	173
इण्डियन ओवरसीज़ बैंक लाभांश वितरण नीति	194	IOB Dividend Distribution Policy	195
प्रॉक्सी फॉर्म	199	Proxy Form	200

(यदि इस वार्षिक रिपोर्ट के हिन्दी रुपांतरण में कोई विसंगित पाई जाती है तो अंग्रेजी वर्जन सही माना जाएगा)

(In this Annual Report, in case of any discrepancy found in Hindi Version, English Version will prevail)

वित्तीय कैलेंडर		Financial Calendar	
1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक के वित्तीय वर्ष के लिए		**For the Financial Year 1st April 2018 to 31st March 2019**	
बही खाता बंदी तिथि	04.07.2019 (गुरुवार) से 10.07.2019 (बुधवार) तक	Book Closure Date	04.07.2019 (Thursday) to 10.07.2019 (Wednesday)
वार्षिक रिपोर्ट की पोस्टिंग	12.06.2019 (बुधवार) से 15.06.2019 (शनिवार) तक	Posting of Annual Report	12.06.2019 (Wednesday) to 15.06.2019 (Saturday)
परोक्षी फार्म की प्राप्ति की अंतिम तिथि	05.07.2019 (शुक्रवार) अपराहन 5.00	Last Date of receipt of Proxy Form	05.07.2019 (Friday) 5.00 p.m.
वार्षिक आम बैठक का दिनांक	10.07.2019 (बुधवार) पूर्वाहन 10.00 a.m.	Date of AGM	10.07.2019 (Wednesday) 10.00 a.m.
लाभांश की घोषणा	शून्य	Declaration of Dividend:	Nil

एक नज़र में

(रु. करोड़ में)

	मार्च-19	मार्च-18	मार्च-17	मार्च-16	मार्च-15
कुल व्यापार	374530	3,67,831	3,68,119	3,97,241	4,25,090
वैश्विक जमाएँ	222534	2,16,832	2,11,343	2,24,514	2,46,049
घरेलू जमाएँ	217963	2,10,388	2,05,154	2,18,556	2,39,819
घरेलू सकल अग्रिम	146001	1,38,516	1,42,651	1,55,429	1,62,838
वैश्विक निवल अग्रिम	151996	1,32,489	1,40,459	1,60,861	1,71,756
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	75393**	70040**	63984**	67615*	63635*
कृषि उधार	31048**	29851**	28865**	30237*	29236*
निवल निवेश	66932	68,646	71,654	79,189	79,298
ब्याज आय	17631	17,915	19,719	23,517	23,938
गैर-ब्याज आय	4206	3,746	3,373	2,528	2,139
परिचालनगत खर्च	4452	5,585	4,912	5,025	4,200
सकल लाभ	5034	3,629	3,650	2,885	3,322
निवल लाभ / निवल हानि	-3738	-6,299	-3,417	-2,897	-454
इक्विटी शेयर पूँजी	9141.65	4890.77	2,454.73	1,807.27	1,235.35
सकल एनपीए (%)	21.97	25.28	22.39	17.40	8.33
निवल एनपीए (%)	10.81	15.33	13.99	11.89	5.68
पूँजी पर्याप्तता अनुपात	10.21	9.25	10.50	9.66	10.11

* 31 मार्च तक बकाया

प्राथमिकता क्षेत्र पर भारतीय रिज़र्व बैंक के संशोधित दिशा निर्देशों के अनुसार वर्ष 2016-17 से प्राथमिकता क्षेत्र लक्ष्य एवं अन्य उप लक्ष्य के तहत चार तिमाहियों का औसत निष्पादन दिया जा रहा है।

जहां कहीं भी अपेक्षित है पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुर्नसमूहित किया गया है।

At a Glance

(Rs. In Crore)

	Mar-19	Mar-18	Mar-17	Mar-16	Mar-15
Total Business	374530	3,67,831	3,68,119	3,97,241	4,25,090
Global Deposits	222534	2,16,832	2,11,343	2,24,514	2,46,049
Domestic Deposits	217963	2,10,388	2,05,154	2,18,556	2,39,819
Domestic Gross Advances	146001	1,38,516	1,42,651	1,55,429	1,62,838
Global Net Advances	151996	1,32,489	1,40,459	1,60,861	1,71,756
Priority Sector Advances	75393**	70040**	63984**	67615*	63635*
Agricultural Credit	31048**	29851**	28865**	30237*	29236*
Net Investments	66932	68,646	71,654	79,189	79,298
Interest Income	17631	17,915	19,719	23,517	23,938
Non Interest Income	4206	3,746	3,373	2,528	2,139
Operating Expenses	4452	5,585	4,912	5,025	4,200
Gross Profit	5034	3,629	3,650	2,885	3,322
Net Profit/Net Loss	-3738	-6,299	-3,417	-2,897	-454
Equity Share Capital	9141.65	4890.77	2,454.73	1,807.27	1,235.35
Gross NPA (%)	21.97	25.28	22.39	17.40	8.33
Net NPA (%)	10.81	15.33	13.99	11.89	5.68
Capital Adequacy Ratio (%)	10.21	9.25	10.50	9.66	10.11

* Outstanding as on 31st March

** Average of 4 quarters performance as per revised Priority Sector guidelines of RBI from FY 2016-17 onward for achievement of Priority Sector Target & Sub target for the financial year.

Previous years figures are regrouped wherever necessary

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक - केन्द्रीय कार्यालय चेन्नै

प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी से पत्र

श्री आर सुब्रमण्यकुमार, प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रिय शेयरधारकों,

वर्ष 2018-19 के लिए मुझे आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है। मैं वर्ष के दौरान बैंक के निष्पादन संबंधी मुख्य पहलुओं के साथ-साथ आगे बढ़ते बैंक के लिए आउटलुक को भी आपके साथ शेयर करना चाहता हूँ।

आर्थिक परिवेश : -

- मुद्रास्फीतिः खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण सीपीआई वित्त वर्ष 19 में 3.5% तक कम हो गया , इसके बढ़ने की उम्मीद है।
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एवं आगे दर में कमीं की उम्मीदों पर लिक्विडिटी सपोर्ट से इनफ्लो के कारण 10 वर्षों का जी-सेक के प्रति लाभ समान स्तर पर रहा।
- अपेक्षाकृत कम तेल की कीमतों और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में डोविश मौद्रिक नीति के साथ रुपया मामूली रूप से कमजोर हो सकता है।
- निर्यात वृद्धि पिछले वर्ष की 10% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019 में 8.6% रही। इंजीनियरिंग वस्तुएं, रसायन और रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में तेजी रही।
- वित्त वर्ष 2019 की चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 5.9 - 6.1% रहने की संभावना है।

बैंकिंग क्षेत्र का प्रदर्शन

- वित्त वर्ष 19 में क्रेडिट वृद्धि ने 12% के दोहरे अंकों को प्राप्त किया है।
- पूँजी के भाव के कारण पीएसबी बड़े कॉर्पोरेट्स को उधार देने के प्रति मौन रहे।
- उद्योग के लिए ऋण में 7% की वृद्धि हुई, जिनमें से बड़े उद्योग में 8.2% की मध्यम उद्योगों में 2.6% और सूक्ष्म और 0.7% की तथा सेवाओं में 18% तथा एनबीएफसी में 29% की अधिकतम वृद्धि देखी गई है। पर्सनल लोन सेगमेंट ने 16% का योगदान दिया है जिसमें से क्रेडिट कार्ड 28.6%, हाउसिंग 19% और वाहन ऋण में 6% है।
- बॉन्ड के प्रति लाभ में कमी का मुख्य कारण केंद्रीय बैंक द्वारा बॉन्ड की खरीद है। वर्तमान में G-sec की लाभदार वर्ष 18-19 की प्रथम तिमाही के 7.90% की तुलना में कम होकर 7.36% है, इसीलिए परिचालनगत लाभ में वृद्धि के लिए ट्रेजरी के लाभ के बढ़ाए जाने की उम्मीद है।

चुनौतियां और भविष्य की राह

- खराब आस्तियों के त्वरित निदान सहित निवेश एवं सशक्त घरेलू मांग के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक सुर्खियों का लाभ उठाने से सामान्य और बैंकिंग क्षेत्र में आर्थिक विकास हो सकेगा। वित्तीय वर्ष 2019 में आइबीसी के माध्यम 94 मामलों की वसूली की गई जो की अन्य माध्यमों से की गई वसूली 26.5% की तुलना में 43% है। आइबीसी के माध्यम से एनपीए वसूली ब्याज आय के लिए नए रास्तों को उत्पन्न करेगा।
- ईरानी तेल के आयात पर भारत को प्रदान की गई राहतों को समाप्त कर देने संबंधी अमेरिकी निर्णय के परिणामस्वरूप रूपए के दबाब में आने से तेल की कीमतें बढ़ने तथा डॉलर के आउटफ्लो में वृद्धि अनुमान है क्योंकि ईरान कच्चे तेल के भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। 2018-19 में, भारत की क्रूड आयल की मांग का 10.9% ईरान से आयात द्वारा पूरी की गई। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का 84% आयात करता है और इसलिए घरेलू कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार पर निर्भर हैं।
- अमेरिका और चीन के बीच कारोबारी विवाद एक महत्वपूर्ण निगरानी है।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए आउटलुक

बैंकिंग क्षेत्र में अनुमानित वृद्धि इस क्षेत्र द्वारा झेली जा रही दो प्रमुख चुनौतियों आस्ति गुणवत्ता एवं क्रेडिट ऑफटेक में परिवर्तन से ही संभव है। इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड बैंकिंग सेक्टर के लिए गेम चेंजर रहा है क्योंकि इसने कर्जदार की बजाय ऋणप्रदाता अधिक शक्ति प्रदान की हैं एवं ऋण गुणवत्ता में सुधार किया है। बैंकिंग क्षेत्र के लिए, अनुमानित सकल एनपीए में 2018 के 11.5% की तुलना में 100 बीपीएस घटकर मार्च 2019 में लगभग 10 % हो गया है। खुदरा बैंकिंग और सेवाओं में सकारात्मक वृद्धि के कारण वित्तीय वर्ष 2019 के बैंक क्रेडिट 13% की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2020 में 14% रहने की उम्मीद है जबकि कॉर्पोरेट क्रेडिट में क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्पूंजीकरण से कुछ बैंकों के पीसीए से बाहर आने से भी इस क्षेत्र को लाभ होने की उम्मीद है।

➢ **कारोबारी एवं वित्तीय प्रदर्शन विशेषताएं - 2018-19**

- 31 मार्च 2018 तक के कुल कारोबार रू 3,67,831 था जिसकी तुलना में 31 मार्च 2019 को कुल कारोबार रू 3,74,530 करोड़ रहा ।
- निधियों की लागत में कमीं करके एवं स्थिर जमा प्रोफाइल खुदरा सावधिक जमाओं में वृद्धि एवं बड़े मूल्य की जमाओं तथा उच्च लागत में कमीं करके कुल जमाएं 31 मार्च 2018 की रू 2,16,832 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2019 को रू 2,22,534 करोड़ हैं।
- दिनांक 31 मार्च 2018 को रु. 1,50,999 करोड़ के मुकाबले सकल अग्रिम दिनांक 31 मार्च 2019 रु. 1,51,996 करोड़ रहा। बैंक ने अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो को जागरुकता के साथ दिनांक 31.03.201-8 को 66.14% के मुकाबले दिनांक 31.03.2019 को 67.20% सुधार करते हुए घरेलू अग्रिमों के रैम (रिटेल, कृषि और एमएसएमई) शेयर के साथ पुनर्संयोजित किया है।
- बैंक का परिचालन लाभ 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए रु. 3629.08 करोड़ के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए 38.71% बढ़कर रु. 5033.87 करोड़ हो गया। आइओबी का परिचालन लाभ रु. 5033.87 करोड़ है जो अपने इतिहास में सबसे अधिक है।
- वर्ष के दौरान मुख्य रुप से 8772 करोड- रु. के प्रावधान के कारण 31.03.2018 को समाप्त वर्ष वर्ष के लिए रु. 6299.49 करोड़ के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध घाटा 40.66% घटकर रु. 3737.88 हो गया।
- जबकि 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 21662 करोड़ रुपये के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए कुल आय रु. 21838 करोड़ रहा, इसी अवधि के लिए ब्याज आय 17915 करोड़ रुपये के मुकाबले 17631 करोड़ रुपये रु. रहा, पिछले वर्ष के लिए 3746 करोड़ रु के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए

INDIAN OVERSEAS BANK - CENTRAL OFFICE CHENNAI

Letter from Managing Director & Chief Executive Officer

Shri.R. Subramaniakumar, Managing Director & Chief Executive Officer

Dear Shareholders,

I have pleasure in presenting your Bank's Annual Report and financial statements for the year 2018-19. I would like to share with you the performance highlights of the Bank during the year as well as the outlook for the Bank going forward.

Economic Environment

- Inflation: While CPI eased to 3.5% in fiscal 19 due to decline in food inflation, it is expected to increase.
- 10 year G-sec yields to stay at similar levels due to inflows by foreign portfolio investors and liquidity support on expectations of further rate cut.
- Rupee may weaken modestly with relatively low oil prices and dovish monetary policy in advanced economies.
- Exports growth at 8.6% in fiscal 2019 slowed compared with 10% in last year. Uptick in exports of engineering goods and chemicals and readymade garments.
- GDP growth likely to moderate to 5.9 – 6.1% in the fourth quarter of fiscal 2019.

Banking Sector Performance

- FY 19 credit growth touches double digits at 12%.
- PSBs lending to large corporates is muted due to capital constraints.
- Credit to industry grew by 7%, of which large industry grew by 8.2%, followed by medium industries 2.6% and micro and small by 0.7%. Under services growth of 18%, maximum growth was observed under NBFC with 29%. Personal loan segment contributed 16% growth, of which credit card 28.6%, housing 19% followed by 6% on vehicle loan.
- Bond yields have eased mainly because of the central bank's bond purchases. Presently G-sec yield stands at 7.36% less than the 7.90% of Q1 18-19. Hence going forward, treasury earnings is slated to support operating profit growth to the PSBs.

Challenges & Way Forward

- Leveraging the global economic headwinds along with strong domestic demand and investment coupled with speedy resolution for bad assets will enable economic growth in general and banking sector in particular. The recovery rate for the 94 cases resolved through IBC by fiscal 2019 is 43% compare with 26.5% through other mechanisms. Recovery from NPA through IBC will enhance avenues for interest income.
- The implications of the US decision to end sanctions waiver to India on import of Iranian oil is expected to result in higher oil prices with the Rupee estimated to be under pressure and dollar outflows to increase as Iran has been one of India's top suppliers of crude oil over the years. In 2018-19, 10.9% of India's crude demands were met by imports from Iran. India imports 84% of its oil requirements and hence domestic prices are dependent on international market.
- Trade frictions between US and China remain a key monitorable.

Outlook for Banking Sector

The projected upward trajectory of the Banking sector is predicated on the reversal of two of the biggest challenges faced by the sector viz. asset quality and credit offtake. The Insolvency and Bankruptcy Code has been a game changer for the sector as it has shifted the balance of power from the borrower to the creditor and instilled credit discipline. For the banking sector, Gross NPAs are estimated to have declined 100 bps to around 10% by March 2019 from 11.5% at the end of fiscal 2018. Bank credit is expected to grow 14% in fiscal 2020 compared with 13% in Fiscal 2019 driven by strong growth in retail banking and services while corporate credit is expected to see a gradual pick-up. Recapitalisation of Public Sector Banks with some of them coming out of PCA is also expected to benefit the sector, as per CRISIL outlook.

➢ **Business and Financial Performance Highlights of your Bank – 2018-19**

- Total business stood at Rs. 3,74,530 crore as on 31st March 2019 as against Rs. 3,67,831 crore as on 31st March 2018
- Total deposits stood at Rs. 2,22,534 crore as on 31st March 2019 as against Rs. 2,16,832 crore as on 31st March 2018, by reducing high cost deposits and bulk deposits and increasing retail term deposits with a view to reduce the cost of funds and have a stable broad based deposit profile.
- Gross Advances stood at Rs.1,51,996 crore as on 31st March 2019, as against Rs. 1,50,999 crore as on 31st March 2018. The Bank has consciously rebalanced its credit portfolio with RAM's (Retail, Agri and MSME) share of total domestic advances improving from 66.14% as on 31.03.2018 to 67.20% as on 31.03.2019.
- Operating Profit of the Bank increased by 38.71% to Rs. 5033.87 crore for the year ended 31.03.2019 as against Rs. 3629.08 crore for the year ended 31.03.2018. **IOB's operating profit of Rs.5033.87 cr is the highest in its history.**
- Net Loss for the year ended 31.03.2019 decreased by 40.66% to Rs. 3737.88 crore as against Rs. 6299.49 crore for the year ended 31.03.2018 mainly due to provisions of Rs. 8772 crore made during the year.
- While Total Income for the year ended 31.03.2019 is Rs. 21838 crore as against Rs. 21662 crore for the year ended 31.03.2018, Interest Income stood at Rs. 17631 crore as against Rs. 17915 crore for the corresponding periods. Non Interest Income registered a growth of 12.28% and improved

4206 करोड़ रुपये गैर-ब्याज आय में सुधार हुआ एवं इसकमें 12.28% की वृद्धि दर्ज़ की गई ।

- कुल व्यय में 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 6.82 % की कमीं हुई जो कि रु. 18033 करोड़ से घटकर 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए रु. 16804 करोड़ रहा।
- सकल एनपीए 31 मार्च 2018 को 25.28% के साथ रु. 38180 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2019 को 21.97% के साथ रु. 33398 करोड़ रहा सकल एनपीए मार्च 2018 के 25.28% से 331 बीपीएस से घटकर मार्च 2019 में 21.97 प्रतिशत हो गया।
- निवल एनपीए दिनांक 31.03.2018 को 15.33% अनुपात के साथ रु. 20,400 करोड़ के मुकाबले दिनांक 31.03.2019 को 10.81% के साथ रु. 14368 करोड़ है। निवल एनपीए मार्च 2018 के 13.56 % से 275 बीपीएस घटकर मार्च 2019 के लिए 10.81 % रह गया।
- वसूली के क्षेत्र में बैंक ने चहुंतरफा वसूली कर बेहतर किया है और वर्ष 2017-18 रू 15496 करोड़ की तुलना में वर्ष 2018-19 में वसूली रू 14669 करोड़ रूपए रही।
- बैंक का कासा अनुपात 31.03.2018 को 36.75% (घरेलू 37.43%) के मुकाबले दिनांक 31.03.2019 को 38.30% (घरेलु 38.72%)के साथ सुधार करने में सक्षम रहा।
- एक वर्ष पूर्व 59.45% की तुलना में प्रावधान कवरेज अनुपात में दिनांक 31.03.2019 को 71.39% सुधार हुआ है।
- 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए लागत आय अनुपात 60.61% के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए लागत आय अनुपात 46.93% है जो कि क्षमता को दर्शाता है।
- वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए गैर ब्याज आय 17.30 % में 196 बीपीएस का सुधार हुआ एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए यह 19.26 % हो गई।
- 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए एनआइएम 2.08% रहा।
- 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए 5.49% के मुकाबले 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए जमा लागत अनुपात 5.39% है।

➢ **उच्चतम परिचालन क्षमता**

''उत्पादकता हमेशा उकृष्टता, बुद्धिमान योजना और केन्द्रित प्रयास के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम हैं''

बैंक के पास 9,435 संपर्क केन्द्र हैं (जिसमें 3280 शाखाएं, 3450 एटीएम और 2705 आईओबी मित्र) बैंक परिचालनात्मक क्षमता को परिचालन लाभ से मापा जाता है। अपने बैंकिंग परिचालन के 82 वर्षों के दौरान, बैंक ने वित्त वर्ष 18-19 के लिए बैंक ने रू 3,74,530 करोड़ के कारोबारी मिश्रण के साथ रु. 5034 करोड़ का उच्चतम परिचालन लाभ अर्जित किया। हानि वाली शाखाओं की संख्या वित्त वर्ष 2015 की 21.95% से घटकर वित्तीय वर्ष 2019 में 4.79% रह गई हैं।

शीर्ष पंक्ति परिसंपत्ति विविधीकरण और देयता प्रबंधन पर बैंक द्वारा किए गए टर्नअराउंड पहलों का परिणाम बैंक के पी & एल में परिलक्षित होता है।

खुदरा , कृषि तथा एमएसएमई पोर्टफोलियो पर जोर देने के साथ परिसंपत्तियों में विविधता लाने संबंधित दृष्टिकोण ने बैंक को घरेलू अग्रिम में रैम शेयर में मार्च 2017 के 58.74% से मार्च 2019 में 67.20% का सुधार करने में सक्षम किया । पूंजी संरक्षण और जोखिम कम करने के उपायों के साथ-साथ सीमा के भीतर तनावग्रस्त क्षेत्र के संपर्क को सीमित करने संबंधी उपाय जैसे एएए रेटिंग वाले उधारकर्ताओं और सरकार के गारंटी वाले खातों को उधार देने, ज्वैलरी और हाउसिंग लोन सेगमेंट जैसे कम जोखिम वाले वेट एसेट्स पोर्टफोलियो पर ध्यान देने से पुनर्संतुलन के प्रयासों ने बैंक की जोखिम भारित आस्तियां वित्तीय वर्ष 2017 की रू 1,69,148 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019 में घटकर रू 1,22,585 करोड़ रह गईं जबकि औसत उधार रू 1,63,451 रहा। अग्रिमों के प्रति जाखिम भारित आस्तियों का अनुपात 107.89 % से घटकर 80.65% रह गया एवं अग्रिमों के प्रति जाखिम भारित आस्तियों का अनुपात वित्तीय वर्ष 2017 के 88.44% से कम होकर 62.41 % हो गया ।

49762 चालू खाता ग्राहकों और 19,05,816 बचत खाता ग्राहकों को जोड़ते हुए बैंक ने उच्चतर कासा सहित अपने ग्राहक आधार में वृद्धि की है जहां मार्च 16 में कासा का प्रतिशत 28.72 % था वहीं मार्च 19 में यह बढ़कर 38.30 प्रतिशत हो गया।
इससे जमाओं की लागत संबंधित अवधि के दौरान 7.11 % से घटकर 5.39 % हो गई।

आस्ति गुणवत्ता प्रबंधन के तहत बैंक ने सकल एवं निवल एनपीए को कम करने में तिमाहीवार सतत वृद्धि दिखाई है एवं प्रावधान कवरेज अनुपात वित्तीय वर्ष 2017 के 53.63 % से बढ़कर 71.39 % हो गए हैं। गैर भेदभाव पूर्ण एवं गैर विवेकाधिकार पूर्ण ओटीएस निपटानों, एसएमए खातों के सूक्ष्म प्रबोधन और खातों में समय पूर्व सावधानी सूचकोंकी पहचान जैसे एनपीए प्रशासन के स्वचालन में नए स्लिपेजों को रोकने और एनपीए की वसूली में वृद्धि करने में बैंक की मदद की है।

बैंक के प्रशासनिक खर्च शाखाओं और एटीएम, किराया लेखा परीक्षा की अवधारणा, स्पेस ऑडिट और स्वच्छ लेखा परीक्षा ने किराए की कमीं करने में और परिवेश में सुधार लाने में मदद की। बैंक ने शुल्क आधारित आय और खाता निपटान से वसूली के माध्यम से लगातार अन्य आय के अवसरों को बढ़ाया है। जैसे कि कुल आय में गैर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2017 में 14% थी जो विव 2019 में बढ़कर 19% हो गई।

चालू बैंकिंग परिवेश में शुल्क आधारित आय राजस्व का प्रमुख स्रोत है। हमारे बैंक ने एक केंद्रीकृत रवैये के जरिए शुल्क आधारित आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रयास किए और यहां यह व्यक्त करना उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2018 ऱ 19 के लिए हमारे बैंक ने रू 1426.00 करोड़ की शुल्क आधारित आय अर्जित की है जो गैर ब्याज आय का 33.92 % है।

इन बदलावों की पहल से बैंक को वित्त वर्ष 2017 में 57.37% से वित्त वर्ष 2019 में 46.93% आय अनुपात में सुधार को दर्शाते हुए उच्चतम परिचालन दक्षता प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है। यह बेंचमार्क परिचालन लाभ और एनसीएलटी रिज़ॉल्यूशन खातों से तेजी से रिकवरी, बैंक सकारात्मक आरओए प्राप्त करने के लिए लक्ष्य पर है।

पिछले 3 वर्षों से सतत बाधाओं के बावजूद सभी व्यावसायिक मानकों में निरंतर सुधार से बैंक इस कीर्तिमान को हासिल कर सका। वित्त वर्ष 2020 में सभी हित धारकों का महत्व बढ़ाने के लिए बैंक अपने प्रदर्शन को बनाए रखने और यहां तक कि अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए तैयार है।

टर्नअराउंड पहल

जैसा कि आप जानते हैं कि बैंक पिछले दो वर्षों में विभिन्न संरचनात्मक मुों को हल करने और वित्तीय सुधार के लिए रणनीतियों को विकसित करने के लक्ष्य के प्रति काम कर रहा है। इस दिशा में बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के परिणाम नीचे दिए गए हैंः

जारी	टर्नअराउण्ड पहल	परिणाम
उच्च थोक जमा और जमा की उच्च लागत	रिटेल आवधि जमा और कासा के साथ रीबैलेंसिंग करके बल्क जमाओं में कमी। कुल जमा राशि बनाए रखना	वित्तीय वर्ष 2019 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015 में थोक जमा में 68% की कमी आई है। 31.03.2019 को कासा में 38.30% सुधार हुआ और रिटेल टर्म डिपॉजिट 18% बढ़ा
कॉरपोरेट बुक में उच्च सांद्रता के कारण उच्च जोखिम वाली परिसंपत्तियों का जन्म हुआ।	पूंजी को संरक्षित करने और रैम में वृद्धि करने के लिए आरडब्ल्यूए को कम करके पोर्टफोलियो को पुनः व्यवस्थित करना। ऋण वितरण के मानकीकरण और टीएटी में सुधार के लिए ऋण प्रसंस्करण का स्वचालन	31.03.2019 तक आरडब्लूए घटकर रु. 1,22,585 करोड़ हो गया। मार्च '15 में आरडब्लूए कुल अग्रिम 108.56% से घटकर मार्च '19 तक 80.65% हो गया। मार्च '15 में कुल अग्रिम के लिए क्रेडिट रिस्क 94.57% से घटकर मार्च 19 तक 62.41% हो गया। रैम पोर्टफोलियो मार्च के '15 में 48.83% से बढ़कर मार्च '19 तक 67.20% हो गया

to Rs. 4206 crore for the year ended 31.03.2019 as against Rs. 3746 crore for the previous year.

- Total Expenditure declined by 6.82% from Rs. 18033 crore for the year ended 31.03.2018 to Rs. 16804 crore for the year ended 31.03.2019.
- Gross NPA as at 31st March 2019 is at Rs. 33398 crore with ratio of 21.97% as against Rs. 38180 crore with ratio of 25.28% as on 31st March 2018. GNPA reduced by 331 bps from 25.28% as at March '18 to 21.97% as at March '19.
- Net NPA is Rs. 14368 crore with ratio of 10.81% on 31.03.2019 as against Rs. 20,400 crore with ratio at 15.33% as on 31.03.2018. NNPA reduced by 275 bps from 13.56% as at March '18 to 10.81% as at March '19.
- On the Recovery front, the Bank has performed well by clocking recovery of around Rs. 14669 crore for FY 2018-19 as against Rs. 15496 crore for FY 2017-18.
- The Bank was able to improve CASA ratio to 38.30% (Domestic 38.72%) as on 31.03.2019 as against 36.75%(Domestic 37.43%) as on 31.03.2018.
- Provision Coverage Ratio has improved to 71.39% as on 31.03.2019 from 59.45% a year back.
- Cost to Income Ratio is 46.93% for the year ended 31.03.2019 as against 60.61% for the year ended 31.03.2018, which is the measure of efficiency.
- Non Interest Income to Total Income improved by 196 bps from 17.30% for FY 2017-18 to 19.26% for FY 2018-19
- NIM stood at 2.08% for the year ended 31.03.2019.
- Average Cost of Deposit is 5.39% for the year ended 31.03.2019 as against 5.49% for the year ended 31.03.2018.

➢ **Highest operational efficiency**

"Productivity is always the result of a commitment to excellence, intelligent planning and focused effort"

The Bank with 9,435 touch points (3280 branches, 3450 ATM & 2705 IOB Mitras) showcased better operational efficiency measured in terms of operating profit. During the 82 years of its banking operations, the Bank benchmarked **highest operating profit to the tune of Rs.5034 crores for FY 18-19**, with business mix of Rs.3,74,530 crores. The number of loss incurring branches has reduced from 21.95% in FY15 to 4.79% in FY19.

The outcome of the turnaround initiatives taken by the Bank on top line asset diversification and liability management is reflected in the P&L of the Bank.

Focused approach on diversifying the assets with thrust on Retail, Agri & MSME portfolio enabled the Bank to improve the RAM share in domestic advances from 58.74% in March'17 to 67.20% in March'19. This rebalancing effort along with capital conservation and risk mitigant measures like limiting the exposure to stressed sector within the threshold, lending to AAA rated borrowers and government guaranteed accounts, concentration of low risk weight assets portfolio like jewel and housing loan segments helped the Bank to substantially reduce the risk weight assets from Rs. 1,69,148 crore in FY 17 to Rs. 1,22,585 crore in FY 19, while the average credit moved around Rs.1,63,451 crores. The RWA to Advances ratio declined from 107.89% to 80.65% and credit risk weight assets to advance ratio from 88.44% to 62.41% for FY 19 over FY 17.

Bank increased the customer base by adding 49762 Current A/c customers and 19,05,816 Savings A/c customers with higher CASA, from 28.72% in Mar'16 to 38.30% in Mar'19 thereby reducing the cost of deposits from 7.11% to 5.39% during the corresponding period.

Under Asset Quality management, the Bank showed quarter wise consistent improvement in reducing the GNPA & NNPA and upgraded the provision coverage ratio from 53.63% in FY 17 to 71. 39% in FY19. Automation of NPA administration like non discriminatory and non discretionary OTS settlement, close monitoring of SMA accounts and identifying the early warning signal accounts helped the Bank to contain fresh slippages and improved the NPA recovery.

The Bank's administrative expenses are well contained through rationalization of branches & ATMs, concept of rent audit, space audit and cleanliness audit enabled reduction of rent and improved the ambience. Bank consistently augmented the avenues of other income through fee based income and recovery from written off accounts.

Fee Based Income is one of the major revenue drivers in the current banking environment. Our Bank has made various efforts to improve the fee income by a focused approach and it is noteworthy to mention that for the FY 2018-19 our Bank earned a Fee Based income of Rs.1426 crores which is 33.92% of Non-interest Income.

These turnaround initiatives have enabled the Bank to attain highest operational efficiency reflecting the improvement in cost to income ratio from 57.37% in FY 17 to 46.93% in FY 19. With this benchmark operating profit and speedy recovery from NCLT resolution accounts, the Bank is on target to achieve positive ROA.

Continuous improvement in all business parameters constantly despite constraints for the last 3 years enabled the Bank to achieve this milestone. The Bank is on course to sustain and even improve its performance to bring value to all stake holders in FY 20.

Turnaround Initiatives

As you are aware the Bank has been working towards the goal of turnaround in the last two years by addressing various structural issues and evolving strategies to improve the financials. The outcomes of the steps taken by the Bank towards this end are detailed below :

Issues	Turnaround Initiatives	Outcome
High Bulk Deposits and High Cost of Deposits	Reduction of Bulk Deposits by rebalancing with Retail Term Deposits and CASA. Maintaining the Total Deposits	Bulk Deposits reduced by 68% in FY 19 over FY 15. CASA improved to 38.30% as on 31.03.2019 and Retail Term Deposit grew by 18%
High Concentration on Corporate Book led to higher risk weight assets.	Rebalancing the portfolio by reducing the RWA to conserve capital and increasing RAM. Automation of loan processing to achieve standardisation of loan delivery and improving TAT	RWA reduced to Rs. 1,22,585 crore as on 31.03.2019 RWA to Total Advances declined from 108.56% in March '15 to 80.65 % as of March '19. Credit Risk to Total Advances reduced from 94.57% in March '15 to 62.41% as of March '19. RAM portfolio increased from 48.83% in March '15 to 67.20% as of March '19

जारी	टर्नअराउण्ड पहल	परिणाम
तनावग्रस्त क्षेत्र पर संकेन्द्रण	बैंक ने स्ट्रेस्ड सेक्टर न्यूनतम खाते के नीचे और बीबी और नीचे रेट किए गए खातों में नए एक्सपोज़र नहीं लेने की नीति विकसित की है। जहाँ भी संभव हो, बैंक तनावग्रस्त क्षेत्रों में खातों से बाहर निकल गया है।	तनावग्रस्त क्षेत्र के लिए एक्सपोजर अच्छी तरह से नियंत्रण में है।
पीसीए दिशानिर्देशों के अनुसार शाखा विस्तार पर अंकुश लगाया गया था। मार्च 2015 तक बैंक की 3381 घरेलू शाखाएँ और 171 प्रशासनिक कार्यालय थे।	खर्चों को नियंत्रित करने और दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से शाखाओं और प्रशासनिक कार्यालयों का विलय / बंद किया जाता है।	मार्च 2019 तक शाखाओं और प्रशासनिक क्षेत्र कार्यालयों की संख्या क्रमशः 3280 और 64 थी। मार्च 18 में 13.10 करोड़ रुपये के मुकाबले मार्च 19 में 14.21 करोड़ रुपए तक व्यवसाय प्रति कर्मचारी में सुधार हुआ।
एटीएम युक्तिकरण, परिचालन व्यय की उच्च लागत, निम्नतम उपलब्धता सहित एटीएम की आउटसोर्सिंग	विक्रेता आधारित एटीएम सेवाओं को बैंक परिचालित एटीएम सेवाओं में परिवर्तित किया गया जिससे समय और उपलब्धता क्रमबद्ध हुई।	बैंक ने परिचालन व्यय को कम किया और एडीसी निष्पादन में सुधार लाया।
पीसीए दिशानिर्देशों के अनुसार कर्मचारी भर्ती शुरू नहीं की गई थी। 31 मार्च 2015 को कर्मचारियों की संख्या 32118 थी	टैलेंट पूल एक्ज़िट को पाटने के लिए विभिन्न स्तरों पर उत्तराधिकार योजना और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए।	कर्मचारियों को गहन क्रेडिट प्रशिक्षण दिया गया। 31.03.2019 तक कर्मचारियों की संख्या 26349 है। वित्तीय वर्ष 19 के दौरान 81 महा प्रबंधकों और उप महा प्रबंधकों को मुम्बई स्थित टीआइएसएस में लीडरशिप प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए आय अनुपात की लागत 55.84% अधिक रही	ब्याज व्यय में कमी, गैर-ब्याज आय में वृद्धि, कर्मचारियों के खर्च में कमी और अन्य व्यय का नियंत्रण	मार्च '18 तक बैंक के लिए आय अनुपात में 60.61% से 1368 बीपीएस की कमी आई और वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए यह 46.93% रहा ।
मार्च 2015 तक परिचालन लाभ रु. 3,322 करोड़ था	शाखाओं और एटीएम का युक्तिकरण, थोक में कटौती और सीएएसए में वृद्धि, भर्ती का पालन, राजस्व इकाइयों का स्वचालन आदि।	31.03.2019 तक परिचालन लाभ बढ़कर रु.5034 करोड़ हो गया। एनआईआई और एनआईएम में सुधार हुआ।
वित्तीय वर्ष 2014-15 में एनपीए प्रावधान रु.3529 करोड़ तक रहा	बैंक ने 100% प्रावधान किए गए खातों से वसूली पर ध्यान केंद्रित किया। स्लिपेज की सतत निगरानी, प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के माध्यम से ओटीएस का निपटान, कंसोर्टियम / सोल बैंकिंग खातों के एआरसी को बिक्री शुरू करना जैसे कुछ उपाय लिए गए थे ।	प्रावधान, 2018-19 के लिए बढ़कर 9881 करोड़ हो गए। एनपीए की जल्द पहचान के चलते प्रावधान में वृद्धि, अन्य डेबिट, एक्यूआर जैसे विनियामक परिवर्तन और पुनर्गठन योजनाओं की शीघ्र मान्यता के कारण थी। क्रेडिट लागत (फ्रेश स्लीप्पेजेस) 1.12% से 0.53% तक नियंत्रित की गई ।
वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान निवल घाटा रु.454 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए रु.6299 करोड़ हो गया । वित्तीय वर्ष 2017 और वित्तीय वर्ष 2018 में अधिक नुकसान एक्यूआर और फरवरी '12 परिपत्र के कारण हुआ ।	परिचालन मुनाफे में वृद्धि की दिशा में किए गए प्रयासों से बैंक का नुकसान कम करने और उच्च ऋण हानि कम करने में मदद मिली।	पिछले वर्ष की तुलना में 40.66% की कमी के साथ 2018-19 के लिए निवल घाटा रु. 3738 करोड़ तक नियंत्रित रहा ।
वित्तीय वर्ष 2015 में सकल एनपीए रु.14922 करोड़ पर था जो कि वित्तीय वर्ष 2018 में बढ़कर रु.38,180 करोड़ हो गया। इसी अवधि के लिए स्लीपेज रु12,016. करोड़ से बढ़ कर रु.16,379 करोड़ हो गया। वृद्धि संशोधित नियामक दिशानिर्देशों और एनपीए की प्रारंभिक मान्यता के कारण हुई थी ।	ऑटोमेशन के माध्यम से स्लिपेज और मजबूत रिकवरी चैनलों की व्यवस्था शुरू की गई है। बैंक की गैर-विवेकाधीन और गैर-भेदभावपूर्ण ओटीएस नीति के मानकीकृत अनुपालन के लिए संपूर्ण ओटीएस प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया गया है। एनपीए डेटा प्रबंधन सीबीएस एकीकरण के साथ स्वचालित, मासिक एनपीए मान्यता और वसूली के लिए ध्यान केंद्रित किया गया ।	प्रावधान कवरेज अनुपात मार्च '18 में 59.45% से बढ़कर मार्च '19 में 71.39% हो गया । मार्च '18 के अंत तक जीएनपीए 25.28% से 331 बीपीएस घटकर मार्च '19 तक 21.97% हो गया। मार्च '18 तक एनएनपीए 13.56% से 275 बीपीएस घटकर मार्च के '19 तक 10.81% हो गया।

आगे , बैंक ने टर्नअराउंड रणनीति को लागू करने के लिए कई अन्य सकारात्मक कदम उठाए हैंजो निम्नलिखितहै

प्रौद्योगिकी स्थिरीकरण

- टेक्नोलॉजी प्लेटफ़ॉर्म को सक्रिय आंतरिक हेल्प डेस्क टीम द्वारा स्थिर किया जाता है और महत्वपूर्ण कार्यात्मक क्षेत्रों को वेंडर से कराने के बजाय सक्रिय आंतरिक हेल्प डेस्क टीम द्वारा किया जाता है ।
- सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एसटीपी स्थापित किया गया है तथा सभी घरेलू कार्यों के लिए एकीकृत जी. एल. ।
- विदेशी केन्द्रों सहित पूरे बैंक को फिनेकल सोफ़्टवेयर के तहत लाया गया है ।
- विश्लेषणात्मक टूल के साथ सुरक्षित एमआईएस की स्थापना की गयी है ।
- डिजिटलाइजेशन की दिशा में बैंक के निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की गयी है ।
- ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र को सम्पूर्ण स्वचालन के लिए पीएसबी के बीच सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में स्वीकार किया गया है ।

अभिशासन

- सभी क्षेत्रों में नीतियों को लागू किया गया और उन नीतियों का समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित किया गया ।
- बोर्ड स्तर पर नियमित समीक्षा द्वारा संस्थागत सुधार किया गया ।
- विभिन्न कार्यकारी स्तर और बोर्ड समितियों के साथ-साथ बोर्ड द्वारा निरीक्षण के माध्यम से निरंतर समीक्षा करते हुए जोखिम प्रबंधन को मजबूत किया गया है ।
- वैश्विक अनुपालन, वैश्विक ऋण निगरानी समीक्षा और वैश्विक आंतरिक नियंत्रण समीक्षा के लिए वैश्विक आस्ति देयता प्रबंधन समिति (ALCO) को स्थापित किया गया है ।